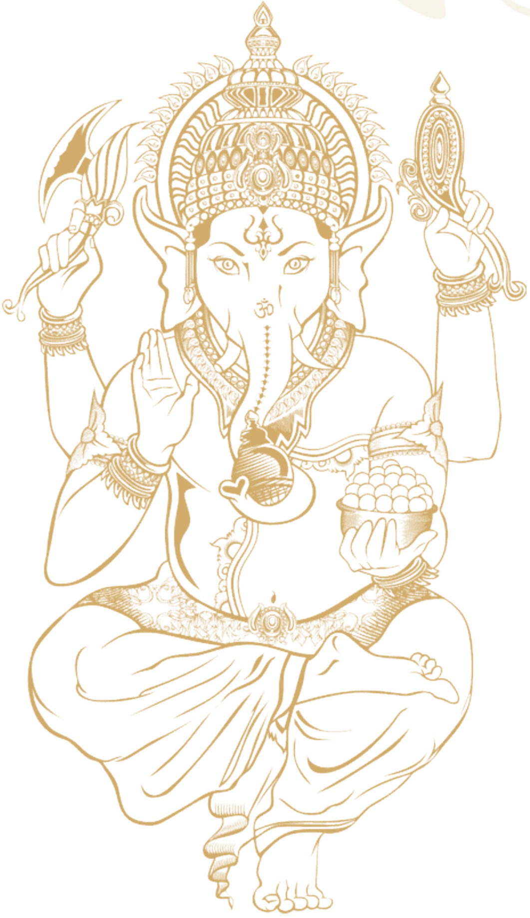

Swati

01 Oct 1998

10:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121633803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/10/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	09:25:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:12 घंटे
साम्पातिक काल	10:17:43 घंटे
सूर्योदय	06:13:59 घंटे
सूर्यास्त	18:07:25 घंटे
दिनमान	11:53:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:57:54 कन्या
लग्न के अंश	01:56:52 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:56:52	306:48:52	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			कन्या	13:57:54	00:58:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			मक	11:29:29	13:23:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	02:16:24	00:37:00	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	18:09:21	01:43:25	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु	व		कुंभ	27:16:08	00:07:18	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	06:26:14	01:14:48	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि	व		मेष	08:02:42	00:04:08	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु			सिंह	07:05:20	00:01:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:05:20	00:01:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:06:07	00:00:52	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:34:38	00:00:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:02:03	00:01:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	08:37:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

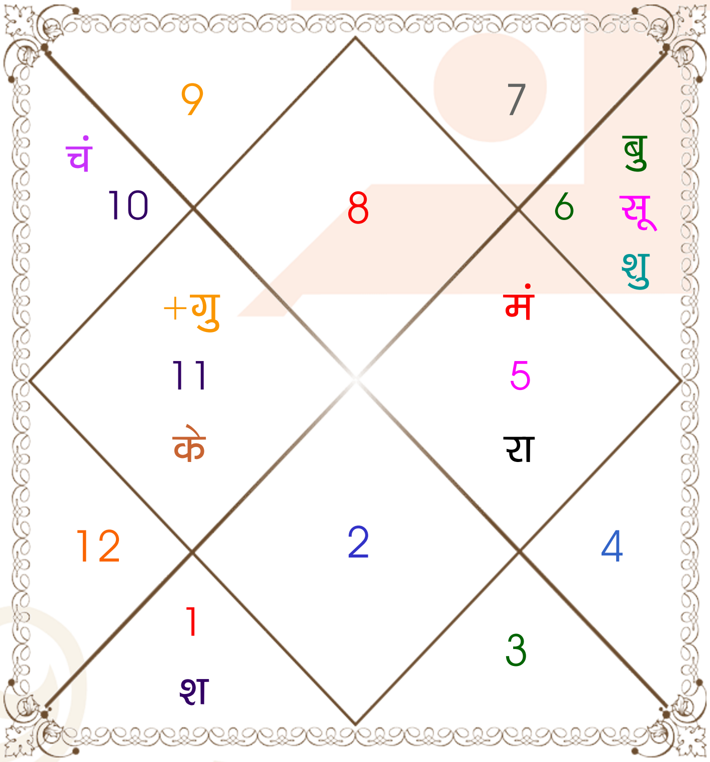

चन्द्र कुंडली

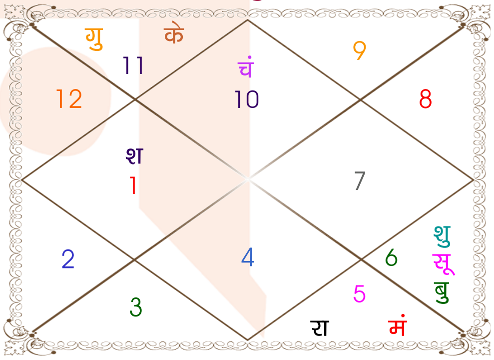

नवमांश कुंडली

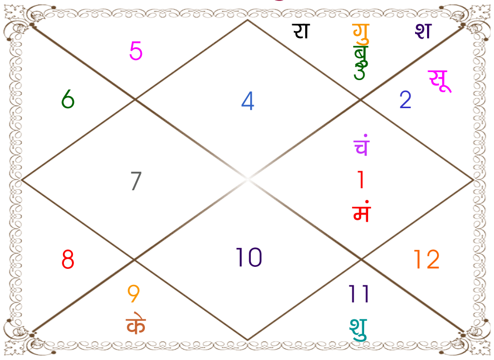

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 10 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
01/10/1998	**19/08/2007**	**19/08/2014**	**18/08/2032**	**18/08/2048**
19/08/2007	**19/08/2014**	**18/08/2032**	**18/08/2048**	**19/08/2067**
01/10/1998	मंगल 15/01/2008	राहु 01/05/2017	गुरु 06/10/2034	शनि 22/08/2051
मंगल 18/01/1999	राहु 02/02/2009	गुरु 24/09/2019	शनि 19/04/2037	बुध 01/05/2054
राहु 19/07/2000	गुरु 08/01/2010	शनि 31/07/2022	बुध 26/07/2039	केतु 10/06/2055
गुरु 18/11/2001	शनि 17/02/2011	बुध 17/02/2025	केतु 30/06/2040	शुक्र 10/08/2058
शनि 19/06/2003	बुध 14/02/2012	केतु 07/03/2026	शुक्र 01/03/2043	सूर्य 23/07/2059
बुध 17/11/2004	केतु 13/07/2012	शुक्र 07/03/2029	सूर्य 19/12/2043	चंद्र 20/02/2061
केतु 19/06/2005	शुक्र 12/09/2013	सूर्य 30/01/2030	चंद्र 19/04/2045	मंगल 01/04/2062
शुक्र 17/02/2007	सूर्य 18/01/2014	चंद्र 01/08/2031	मंगल 26/03/2046	राहु 05/02/2065
सूर्य 19/08/2007	चंद्र 19/08/2014	मंगल 18/08/2032	राहु 18/08/2048	गुरु 19/08/2067

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
19/08/2067	**18/08/2084**	**19/08/2091**	**20/08/2111**	**19/08/2117**
18/08/2084	**19/08/2091**	**20/08/2111**	**19/08/2117**	**00/00/0000**
बुध 15/01/2070	केतु 14/01/2085	शुक्र 18/12/2094	सूर्य 07/12/2111	चंद्र 20/06/2118
केतु 12/01/2071	शुक्र 16/03/2086	सूर्य 19/12/2095	चंद्र 07/06/2112	मंगल 02/10/2118
शुक्र 12/11/2073	सूर्य 22/07/2086	चंद्र 18/08/2097	मंगल 13/10/2112	00/00/0000
सूर्य 18/09/2074	चंद्र 20/02/2087	मंगल 19/10/2098	राहु 07/09/2113	00/00/0000
चंद्र 18/02/2076	मंगल 19/07/2087	राहु 19/10/2101	गुरु 26/06/2114	00/00/0000
मंगल 14/02/2077	राहु 06/08/2088	गुरु 19/06/2104	शनि 08/06/2115	00/00/0000
राहु 03/09/2079	गुरु 13/07/2089	शनि 20/08/2107	बुध 13/04/2116	00/00/0000
गुरु 09/12/2081	शनि 22/08/2090	बुध 20/06/2110	केतु 19/08/2116	00/00/0000
शनि 18/08/2084	बुध 19/08/2091	केतु 20/08/2111	शुक्र 19/08/2117	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।